मैं तो हूँ भिखारी खाटू धाम की | By Nidhi Mishra

मैं तो हूँ भिखारी बाबा तेरे द्वार का
टूटा हुआ फूल हूँ मैं तेरे हार का

बड़ी आस लेके दाता पास तेरे आयी हूँ
हाल क्या सुनाऊँ सारे जग की सताई हूँ
भूखा हूँ मैं खाटू वाले तेरे प्यार का
मैं तो हूँ भिखारी बाबा तेरे द्वार का

दानी कोई तेरे जैसा और नहीं दूजा है
इसीलिए घर घर में होती तेरे पूजा है
दु:ख हरते हो सभी लाचार का
मैं तो हूँ भिखारी बाबा तेरे द्वार का

आता हैं सवाली जो भी उनकी झोली भरते हो
किसी को भी खाली नहीं दर से टाल देते हो
अर्ज़ी सुनलो अलका निखिल पाल का
मैं तो हूँ भिखारी बाबा तेरे द्वार का

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%a4%e0%a5%8b-%e0%a4%b9%e0%a5%82%e0%a4%81-%e0%a4%ad%e0%a4%bf%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%a7%e0%a4%be%e0%a4%ae/